प्रैस–विज्ञप्ति

उत्तराखण्ड वनाग्नि घटनाओं की दृष्टि से अत्यन्त ही संवेदनशील प्रदेश है। प्रतिवर्ष वनों में वनाग्नि की घटनाओं के कारण प्राकृतिक वन सम्पदा एवं वन्यजीवों को क्षति के साथ ही यहां की जैव–विविधता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उत्तराखण्ड वन विभाग द्वारा वनाग्नि काल प्रारम्भ होने से पूर्व वनाग्नि नियंत्रण हेतु विभिन्न तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में मुख्य वन संरक्षक, वनाग्नि आपदा प्रबन्धन, उत्तराखण्ड के निर्देशन में तकनीकी कार्मिकों एवं उत्तरांचल कम्यूनिकेशन सर्विस, देहरादून द्वारा माह जनवरी 2022 से समस्त वन प्रभागों के वायरलैस ऑपरेटर, मास्टर कन्ट्रोल रूम प्रभारी तथा वनाग्नि रिपोर्टिंग से जुड़े कार्मिकों का तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ किया जा चुका है।

दिनांक 03.01.2022 को वन मुख्यालय स्थित मंथन सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें देहरादून वन प्रभाग, देहरादून, मसूरी वन प्रभाग, मसूरी, राजाजी टाइगर रिजर्व, देहरादून, चकराता वन प्रभाग, कालसी तथा भूमि सं0 वन प्रभाग, कालसी के सम्बन्धित लगभग 60–65 कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण में उत्तरांचल कम्यूनिकेशन सर्विस, देहरादून के श्री संजय चौहान द्वारा वायरलैस से सम्बन्धित वैस स्टेशन, मोबाइल स्टेशन, हैण्ड सैट एवं रिपीटर द्वारा सूचनाओं के आदान–प्रदान, उपकरणों के रख–रखाव आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा श्री दीपराज, सॉफ्टवेयर डेवलपर द्वारा FFRMS में सूचनाओं का प्रेषण से सम्बन्धित जानकारी उपलब्ध कराई गयी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाया गया।

वन विभाग
उत्तराखण्ड

वन विभाग
उत्तराखण्ड

वन विभाग
उत्तराखण्ड